सम्यक् निराशा

निराशा अति उच्छ गुण, आशा दौड़ाये रखती है, निराशा सत्य का संकेत देती है, अगर इस संकेत को कोई पहचान ले और परमात्मा को जानने के लिए संकल्प ले तो आपकी निराशा सम्यक हो सकती है, क्योकि जो है उनके पीछे भागने से निराशा मिलती है, तो नहीं है फिर भी है उनकी तरफ जाने के लिए संकल्प लिया जाये एक दिन बारिश होगी ही,

Aasthit